



देहरादून में बनेगा नेत्र संग्रह केंद्र

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा **गांधी शताब्दी नेत्र अस्पताल (GCEH)**, देहरादून को **नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस** के तहत नेत्र संग्रह केंद्र शुरू करने की अनुमति दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य स्वास्थ्य सेवाओं की महानिदेशक (DG) डॉ. तृप्तिबहुगुणा ने अस्पताल के अधिकारियों को इस साल 1 नवंबर से पहले केंद्र शुरू करने का निर्देश दिया है।
- इसके शुरू होते ही **GCEH** यह सुविधा देने वाला राज्य का पहला केंद्र होगा।
- राज्य में **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन** की निदेशक डॉ. सरोज नैथानी ने कहा कि केंद्र के लिये GCEH में आवश्यक बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं का विकास किया जाएगा। देहरादून के आसपास के क्षेत्रों, विशेषकर गढ़वाल संभाग में रहने वाले लोगों को नेत्र प्रत्यारोपण का लाभ मिलेगा।
- उन्होंने कहा कि GCEH केवल नेत्र संग्रह केंद्र के रूप में कार्य करेगा और एकत्रित नेत्रगोलक **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS)**, ऋषिकेश या हमिलयन अस्पताल जॉलीग्रैंट, देहरादून के नेत्र बैंकों में रखा जाएगा।